

विषय-सूची

निबंध: एक परिचय	3
निबंध के प्रकार	5
निबंध का प्रारूप	5
निबंध लेखन की शैली	6
परीक्षा की दृष्टि से निबंध लेखन हेतु ध्यान रखने योग्य बिंदु	7
 राजनीतिक निबंध	9
प्रतिरोधों के सम्मान की प्रतिध्वनि है प्रजातंत्र	11
धर्म एवं राजनीति	16
कितना आवश्यक है, अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य?	20
प्रजातांत्रिक भावना एवं दलीय राजनीति	25
धर्मनिरपेक्षता	29
क्या आतंकवाद को न्यायोचित ठहराया जा सकता है?	34
विश्व-सुरक्षा और भारत की भूमिका	41
गठबंधन सरकार: भारत के लिए कितनी उपयुक्त	44
राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व एवं स्थिति	51
साम्प्रदायिकता की राजनीति	58
लोकतंत्र के विरोधाभास	64
मानवाधिकार और भारत	68
भारत में राजभाषा की स्थिति	75
सूचना का अधिकार	79
न्यायिक सक्रियता और लोकतंत्र	86

संयुक्त राष्ट्र संघ—भूमिका एवं भविष्य	91
राजनीति का अपराधीकरण: लोकतंत्र पर आघात	95
लोक सेवक को किस प्रकार का आचरण करना चाहिए?	100
न्याय को गरीब तक पहुंचना ही चाहिए	103
लोकतांत्रिक भारत में वंशवाद	107
लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका	111

सामाजिक निबंध

भारतीय समाज: परिवर्तन की दिशाएं	115
विधि एवं सामाजिक परिवर्तन	117
भारतीय सिनेमा एवं सामाजिक दायित्व	121
भारतीय सिनेमा एवं सामाजिक दायित्व	126
क्या भारतीय सिनेमा हमारी लोक-संस्कृति को आकार प्रदान करता है?	133
वृद्धावस्था की समस्याएं	137
परिवार: बदलते संदर्भ में	144
विज्ञापन और सामाजिक उत्तरदायित्व	148
धर्मांतरण: अधिकार और नैतिकता	154
पीढ़ी अंतराल	161
भारतीय समाज में संस्कृति: रूढ़िवादी अथवा परिवर्तनवादी	164
धार्मिक संस्कार एवं महिलाओं के अधिकार	169
कामकाजी महिलाओं की समस्याएं	173
महिला उत्पीड़न	178
बाल श्रम की समस्या	186
महिला सशक्तीकरण: चुनौतियां एवं संभावनाएं	194
बदलते परिवेश और हमारे सामाजिक मूल्य	199
ड्रग्स: एक सामाजिक समस्या और निवारण	202
आर्थिक उदारीकरण—भारत के समक्ष चुनौतियां	209
विकास-प्रक्रिया में जन-सहभागिता	212
अर्थव्यवस्था में निजीकरण एवं परिणाम	216
सतत विकास एवं पर्यावरण	221

वैज्ञानिक निबंध

विज्ञान की सीमाएं	229
क्या प्रौद्योगिकी मानव शक्ति को प्रतिस्थापित कर सकती है?	231
	236

क्या विज्ञान और कला एक-दूसरे के विरोधी हैं?	240
विज्ञान से अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही समय की मांग है	246
जैव-विविधता	254
सूचना प्रौद्योगिकी में कम्प्यूटर क्रांति	263
यूथेनेसिया—क्या मृत्यु उपचार हो सकती है?	267
वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग)	274
धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा	279
दैनिक जीवन में विज्ञान	283
पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता	285
हम प्रौद्योगिकी के दास बन गए हैं!	289
शैक्षणिक निबंध	293
शिक्षा व नैतिक मूल्य	295
शिक्षक, विद्यार्थी और शिक्षा के बदलते संदर्भ	299
वैश्विक ज्ञान-भण्डार में भारत का योगदान	302
वास्तविक शिक्षा क्या है?	307
शिक्षा का व्यवसायीकरण	311
रूपांतरित भारत को अपनी शिक्षा व्यवस्था ठीक करने की आवश्यकता	315
ज्वलंत एवं सामयिक निबंध	321
चुनावों का वित्त पोषण	323
सहयोगी संघवाद	328
भारत में अंतरराज्यीय जल विवाद	334
सतर्कता एवं लोकतंत्र (सतर्कता लोकतंत्र के विरुद्ध है)	338
मोरल पुलिसिंग एवं लोकतंत्र	341
राष्ट्रवाद की अवधारणा	345
डिजिटल इंडिया तथा लोकतंत्र का सशक्तिकरण	350
मीडिया ट्रायल—कितना उचित?	354
स्टिंग ऑपरेशन व निजता पर हमला	359
फेक न्यूज (फर्जी समाचार): खतरे, चुनौतियां एवं समाधान	363
क्या हम नस्लवादी लोग हैं?	369
समाज को दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता	373

किराए की कोख का कारोबार	378
क्या शराबबंदी होनी चाहिए?	382
सड़क सुरक्षा	385
स्मार्ट सिटी—क्या यह भारत में संभव है?	390
शहरी बाढ़—कारण, प्रबंधन एवं चुनौतियां	395
भारत में रोजगारविहीन विकास	399
क्या बढ़ती प्रतिस्पर्धा युवाओं के लिए सही है?	403
पारिस्थितिक-पर्यटन की चुनौतियां व समाधान	408
पृथ्वी से परे जीवन की संभावना	413

अन्य निबंध

साहित्य समाज का दर्पण है	419
जीवन और साहित्य	423
विलम्ब होने से असंतोष बढ़ता है	428
ईमानदारी कोई गुण नहीं, बेईमानी दुर्गुण है	431
यदि प्रेम स्वप्न है, तो श्रद्धा जागरण	434
मनुष्य वह है, जो औरों को जीवन देता है	436
विश्वास, समझौतावादी प्रवृत्ति और स्वास्थ्य सफलता के लिए आवश्यक	439
मानव धर्म: सबसे बड़ा धर्म	442
नर और नारी एक गाड़ी के दो पहिए हैं	445
सुंदर जीवन की कल्पना	448
“समय जात नहीं लागहि बारा”	452
सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप	456
सठ सुधरहिं सत्संगति पायी	460
राष्ट्र धर्म और नागरिक	463
अध्यापक बनाम राष्ट्र-निर्माता	466
समाचार-पत्र एवं उनकी शक्ति	469
कला और नैतिकता	472
अगर पर्व-त्योहार न होते!	474
पारंपरिकता बनाम आधुनिकता	476
खेल, खिलाड़ी और खेल-भावना	481

भारत की सांस्कृतिक विविधता	484
जीवन आगे बढ़ने का नाम है	489
जीवन निःसार स्वप्न नहीं है	492
भारत में स्वतंत्रता की गलत व्याख्या एवं उसका दुरुपयोग	495
क्या आधुनिक मनुष्य प्रकृति विमुख है?	498
भूमण्डलीकरण और हिंदी	501
प्रमुख उद्धरण	505